an>

Title: Need to increase the number of seats in Legislative Assembly of Jharkhand and to create a Legislative Council in the state.

श्री रवीन्द्र कुमार राय (कोडरमा) : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से झारखंड के एक महत्वपूर्ण राजनीतिक विÂाय को यहां शून्यकाल के माध्यम से उठाना चाहता हूं। जैसे आप जानते हैं, बिहार राज्य से 15 नवम्बर, 2000 को 81 विधान सभा के साथ झारखंड राज्य बनाया गया था। झारखंड की भौगोलिक संरचना एक पहाड़ी क्षेत्र की है। साथ ही जनसंख्या का घनत्व भी कम है और फैला हुआ है। विधान सभा क्षेत्र भी काफी फैला हुआ है जिससे इस पिछड़े राज्य के विकास में बाधा उत्पन्न हो रही है। इसलिए मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि बिहार राज्य पुनर्गठन विधेयक, 2000 में संशोधन कर झारखंड विधान सभा की सीटें 81 से बढ़ाकर 150 की जाएं। इस संबंध में झारखंड विधान सभा से सर्वसम्मत प्रस्ताव दो बार केन्द्र सरकार को भेजा जा चुका है। इसके साथ ही मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि पूर्ववर्ती बिहार राज्य में विधान परिÂाद का भी प्रावधान था और है जिसमें झारखंड की सहभागिता थी। लेकिन अलग राज्य बनने से झारखंड में विधान परिÂाद नहीं बनाई गई है। झारखंड राज्य में कई ऐसे जिले हैं जिसमें सभी विधान सभा सीटें आरक्षित हैं। मैं आरक्षण का विरोध नहीं कर रहा हूं लेकिन सामाजिक और राजनीतिक संतुलन बनाए रखने के लिए झारखंड राज्य में विधान परिÂाद के गठन की आवश्यकता है जिससे समाज का समन्वित स्वरूप राज्य में प्रतिनिधित्व करते हुए दिखे और एक स्थायी राजनीतिक दिशा मिल सके। धन्यवाद।

माननीय सभापति : श्री सुनील कुमार सिंह को श्री रवीन्द्र कुमार राय द्वारा उठाए गए विÂाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।